लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 May 2023

i-NEXT PAGE 4

एलयू को स्टेट में चौथी देश में 29वीं रैंक मिली

एशिया में 463 रैंक पर दर्ज हुआ एलयू का नाम

LUCKNOW (17 May) : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी की गई ईडीयू रैंकिंग-2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश में चौथी और देश में 29वां स्थान मिला है. एशिया में यह रैंक 463 है. बुधवार को इसके परिणाम जारी किए गए.

183 देशों को किया शामिल

डीन एकेडमिक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईडीयू रैंक 183 देशों के 14,131 विश्वविद्यालयों की एक स्वतंत्र मीट्रिक-आधारित रैंकिंग है. यह रैंकिंग मुख्य रूप से 246 शोध विषयों में वैज्ञानिक प्रकाशनों, सुविधाओं सहित चीजों पर आधारित है. गणना में गैर-शैक्षणिक प्रमुखता और पूर्व छात्रों की लोकप्रियता संकेतक भी शामिल किए गए हैं. इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता और प्रभाव दिखाई देती है.

टॉप 10 में शामिल

शोध विषयों में जूलाजी (रैंक तीन), कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री (रैंक छह) और एस्ट्रोबायोलाजी (रैंक 10) के अनुसंधान क्षेत्रों में लखनऊ विस्वविद्यालय देश में शीर्ष 10 संस्थानों में शामिल हैं. वैश्विक स्तर पर शीर्ष 500 में एलयू सात शोध क्षेत्रों में शामिल हैं, इनमें कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री 258, हार्टिकल्चर 279, फिजिकल केमिस्ट्री 381, टाक्सिकोलाजी 406, बायोलाजी 438, बाटनी 478 और जीवाश्म विज्ञान 498 स्थान हैं. एलयू के उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में से 54 को वैश्विक प्रभाव वाला पाया गया.

बूस्ट प्रोग्राम का असर

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा शुरू किए गए बूस्ट कार्यक्रम का विश्वविद्यालय के अनुसंधान वातावरण पर काफी अच्छा प्रभाव पड़ा है. गौरतलब है कि वर्ष 2021 में एशिया रैंक में एलयू 1098, 2022 में 503 और अब 463 पर आ गया है.

तीन साल में ईडीयू रैंकिंग में एलयू

वर्ष	देश की रैंक	एशिया रैंक
2021	58	1008
2022	29	503
2023	29	463

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

साइबर अपराध से बचाव के तरीके बताए

लखनऊ। लविवि जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय ने विश्व दूर संचार और सामाजिक सूचना दिवस पर कार्यक्रम किया। मुख्य अतिथि अपर महानिदेशक दूरसंचार विभाग आरकेएम श्रीवास्तव ने छात्रों को दूर संचार की आवश्यकताओं और इसमें होने वाले अपराधों की जानकारी दी। साइबर अपराध और इससे बचाव के तरीके बताए। यह भी बताया कि वे इस क्षेत्र में कैसे कैंरिअर बना सकते हैं। विशिष्ट अतिथि एके रंजन ने 5जी तकनीक और उसके लाभ बताए। अवसर पर डीन प्रो. एके सिंह, डॉ. एमके जैन सहित विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी थे। (संवाद)

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। लविवि की वन्य जीव विज्ञान संस्थान ने राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में पर्यावरण, वाद-विवाद प्रतियोगिता करवाई। इसमें प्रदेश के विश्वविद्यालयों व कॉलेजों से 90 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विजेताओं को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय विश्व पर्यावरण दिवस पर सम्मानित करेगा। प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि मिशन लाइफ पर्यावरण के प्रति जागरूकता, जीवन जीने पर केंद्रित है। संस्थान निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने कहा, हमें प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देना होगा। (संवाद)

लविवि एशिया के शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों में

संवाद न्यूज एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय व्यापक रैंकिंग ईडीयू-2023 में मिला 463वां स्थान, राज्य में चौथा और देश में 28वां स्थान

लखनऊ। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापक रैंकिंग ईडीयू-2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एशिया के शीर्ष 500 विवि में अपनी जगह बनाई है। बुधवार को जारी रैंकिंग में इस वर्ष लविवि को 463वां स्थान मिला है। बीते वर्ष एलयू 503वें स्थान पर था। वर्ष 2021 में विश्वविद्यालय 1008वें स्थान पर था।

लखनऊ विश्वविद्यालय राज्य में चौथे और देश में 28वें स्थान पर बरकरार है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने खुशी जताते हुए कहा कि लविवि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। यहां के छात्र देश-विदेश में प्रतिभा के दम पर यूनिवर्सिटी का नाम रोशन कर रहे हैं।

HIDUSTAN PAGE 6

एलयू ने एशिया के टॉप 500 विश्वविद्यालयों में बनाई जगह

उपलब्धि

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय का पूरे देश संग विश्व में नाम बढ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापक रैंकिंग एडुरैंक 2023 में एलयू को राज्य में चौथे, देश में 29वें और एशिया में 463 रैंक हासिल हुई है।

जबकि 2021 में एलयू को देश में 57वां स्थान और एशिया रैंक 1098 रैंक मिली थी। जो कि 2022 में 29वें और 503वें स्थान पर पहुंची।

लेकिन इस वर्ष एलयू को अनुसंधान गुणवत्ता में भी बेहतर रैंक मिली है। इसमें जूलॉजी को तीसरी, कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री को छठी और एस्ट्रोबायोलॉजी को दसवीं रैंक प्राप्त हुई है।

जानकारी के अनुसार इससे देश में एलयू ने अनुसंधान क्षेत्रों में शीर्ष दस में स्थान हासिल किया है। वैश्विक स्तर पर लखनऊ विवि शीर्ष 500 में सात शोध क्षेत्रों में शामिल हैं। इस बाबत प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू के पूर्व छात्रों में से 54 को वैश्विक प्रभाव वाला पाया गया है।

एलयू में व्याख्यान देंगे राज्यपाल रवि

लखनऊ। एलयू में तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि एक व्याख्यान में शामिल होंगे। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा हर साल की तरह इस वर्ष भी प्रो. वीएस राम मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। प्रो. वीएस राम मेमोरियल एंडोमेंट कमेटी के अनुसार, 'भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था' पर व्याख्यान के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने अपनी सहमति प्रदान की है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. वीएस राम ने साल 1922 में एलयू में देश का राजनीति विज्ञान का प्रथम स्वतंत्र विभाग स्थापित किया था।

JAGRAN CITY PAGE I & III

ईडीयू रैंकिंग : लवि को राज्य में चौथी, देश में 29वीं रैंक

जासं, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी की गई ईडीयू रैंकिंग-2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश में चौथी और देश में 29वां स्थान मिला है। एशिया में यह रैंक 463 है। बुधवार को इसके परिणाम जारी किए गए।

डीन एकेडमिक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईडीयू रैंक 183 देशों के 14,131 विश्वविद्यालयों की एक स्वतंत्र मीट्रिक-आधारित रैंकिंग है। यह रैंकिंग मुख्य रूप से 246 शोध विषयों में वैज्ञानिक प्रकाशनों, सुविधाओं सहित चीजों पर आधारित हैं। गणना में गैर-शैक्षणिक प्रमुखता और पूर्व छात्रों की लोकप्रियता संकेतक भी शामिल किए गए हैं। इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता और प्रभाव दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि शोध विषयों में जूलाजी (रैंक तीन), कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री (रैंक छह) और एस्ट्रोबायोलाजी (रैंक 10) के अनुसंधान क्षेत्रों में लखनऊ विस्वविद्यालय देश में शीर्ष 10 संस्थानों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 500 में लवि सात शोध क्षेत्रों में शामिल हैं, इनमें कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री 258, हार्टिकल्चर 279, फिजिकल केमिस्ट्री 381, टाक्सिकोलाजी 406, बायोलाजी 438, बाटनी 478 और जीवाश्म विज्ञान 498 स्थान हैं। लवि के उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में से 54 को वैश्विक प्रभाव वाला पाया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा शुरू किए गए बूस्ट कार्यक्रम का विश्वविद्यालय के अनुसंधान वातावरण पर काफी अच्छा प्रभाव पड़ा है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में एशिया रैंक में लवि 1098, 2022 में 503 और अब 463 पर आ गया है।

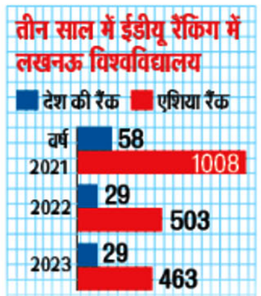

20 को व्याख्यान, तामिलनाडु के राज्यपाल होंगे शामिल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से 20 मई को 'भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था' विषय पर वीएस राम मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 1922 में लवि में देश का पहला राजनीति विज्ञान का पहला स्वतंत्र विभाग स्थापित हुआ था।इसमें प्रो. वीएस राम ने भारतीय राजनीति विज्ञान संघ के चौथे अध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। (जासं)

विद्यार्थियों को दूर संचार में बताई संभावनाएं

लखनऊ : लवि के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार विभाग तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियर संस्थान के संयुक्त सहयोग से बुधवार को 'विश्व दूरसंचार और सामाजिक सूचना दिवस 2023' का आयोजन किया गया। सेमिनार में विद्यार्थियों को दूरसंचार की आवश्यकता, इसमें होने वाले साइबर क्राइम से स्वयं को सुरक्षित रखने एवं इस क्षेत्र में संभावना को बताया गया। कार्यक्रम में डीन एके सिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (जासं)

लवि में 109 वें विज्ञान कांग्रेस सम्मेलन का समय होगा कम

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में जनवरी में होने वाले 109 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन की अवधि में बदलाव की तैयारी है। अब पांच की जगह चार दिन ही सम्मेलन होगा। बीते दिनों कोलकाता में आयोजित बैठक में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन के लिए समय अवधि कम करने पर सहमति बनी है।

स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अब तीन से छह जनवरी तक ही आयोजन होगा। तीन जनवरी को उद्घाटन, चार और पांच जनवरी को लेक्चर सत्र व अन्य कार्यक्रम तथा छह जनवरी को विज्ञान कांग्रेस की एक्जीक्यूटिव और काउंसिल की बैठक व समापन समारोह होगा। अभी तक सात जनवरी तक इसका समय तय किया गया था। जल्द ही संशोधित समय के संबंध में पत्र जा जाएगा।

बैठक आज

लवि में गुरुवार को कुलपति प्रो आलोक राय की अध्यक्षता में संकाय अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं संस्थान के निदेशकों की बैठक होगी। व्यापार प्रशासन विभाग के चाणक्य सभागार में दोपहर 3 .30 बजे होने वाली इस बैठक मे नौ प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। इसमें सम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा, नए सत्र के प्रवेश की योजना, 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों की प्रगति, विभागों में अनुसंधान संस्कृति को आगे बढ़ाने के तरीकों एवं साधनों से लेकर कई प्रस्ताव शामिल हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

प्रो. वी. एस. राम मेमोरियल व्याख्यान 20 को

लखनऊ। राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में वी. एस. राम मेमोरियल व्याख्यान 20 मई को आयोजित किया जाएगा, जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि ने अपनी सहमति दी है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्रो. वी एस राम मेमोरियल एंडोमेंट कमेटी के अनुसार इस वर्ष भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था विषयक सार्वजनिक व्याख्यान होगा।

PIONEER PAGE 3

एशिया में शीर्ष 500 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने बनाई जगह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित एजु रैंकिंग 2023 गुरुवार को जारी की गई। जारी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अपनी प्रभावशाली छाप छोड़ी है। लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला राज्य विश्वविद्यालय है। यह राज्य में चौथे, देश में 29वें और एशिया में शीर्ष 500 में शुमार है।

विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक लखनऊ विश्वविद्यालय लगातार रैंकिंग की सीढ़ी चढ़ता गया है। 2021 में देश में 57वें स्थान से 2022 में 29वें और 2023 में 28वें स्थान पर आने के बाद लगातार विवि ने सुधार किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 2021 में एशिया रैंक 1098 से 2022 में 596 और 2023 में शीर्ष 500 (रैंक 463) में जाने के साथ अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में उल्कापिंड वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन रैंकिंग में विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता और प्रभाव दिखाई देता है। जूलॉजी (रैंक 3), कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री (रैंक 6) और एस्ट्रोबायोलॉजी (रैंक 10) के अनुसंधान क्षेत्रों में लखनऊ विश्वविद्यालय देश में शीर्ष 10 में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 500 में लखनऊ विश्वविद्यालय सात शोध क्षेत्रों में शामिल हैं, कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री 258, हॉर्टिकल्चर 279, फिजिकल केमिस्ट्री 381, टॉक्सिकोलॉजी 406, बायोलॉजी 438, बॉटनी 478 और पेलियोन्टोलॉजी 498 स्थान। बता दें कि एजु रैंक 183 देशों के 14,131 विश्वविद्यालयों की एक स्वतंत्र मीट्रिक आधारित रैंकिंग है। रैंकिंग मुख्य रूप से 246 शोध विषयों में वैज्ञानिक प्रकाशनों और उद्धरणों पर आधारित है। गणना में गैर-शैक्षणिक प्रमुखता और पूर्व छात्रों की लोकप्रियता संकेतक भी शामिल हैं। रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय की निरंतर वृद्धि विश्वविद्यालय और राज्य के अनुकूल और सहायक शैक्षणिक माहौल के कारण ही संभव हो पाई है। विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कुलपति प्रो आलोक कुमार राय द्वारा शुरू किए गए बूस्ट कार्यक्रम का विश्वविद्यालय के अनुसंधान वातावरण पर निर्विवाद प्रभाव पड़ा है।

THE PIONEER PAGE 3

LU makes a mark in EduRank survey

Lucknow (PNS): The prestigious international comprehensive rankings, EduRank, were released on Wednesday for 2023. Lucknow University has once again made an impressive mark in these rankings by emerging the top ranked state university in Uttar Pradesh.

It ranks 4 amongst the state, 29 in the country and amongst the top 500 in Asia.

Research quality and impact of the university is visible in these rankings at the national and international stage. The research fields of Zoology (rank 3), Computational Chemistry (rank 6) and Astrobiology (rank 10) feature amongst the top 10 in the country. At a global level, seven research areas featured in the top 500 with Computational Chemistry ranked at 258, Horticulture at 279, Physical Chemistry at 381, Toxicology at 406, Biology at 438, Botany at 478, and Paleontology at 498. Fifty-four of LU alumni were also found to make a global impact. EduRank is an independent metric-based ranking of 14,131 universities from 183 countries. The rankings are primarily based on scientific publications and citations across 246 research topics. Non-academic prominence and alumni popularity indicators are also factored into the calculations.

PLACEMENT

Infosys hired 12 students in a placement drive organised on Wednesday by the Training and Placement Cell of Faculty of Engineering and Technology, Lucknow University.

Yash Singh, Vaishnavi Bhatt, Vidhi Shukla, Ajit Kumar, Ashutosh Mishra, Deepti Rai, Siddharth Singh, Riya Sharma, Dhananjay Yadav, Harsh Mishra, Jayati Pandey and Kashish Yadav have been placed as Business Process Management Trainee at a package of Rs 2.45 lakh per annum. Vice-Chancellor Alok Kumar Rai said, "We are committed to the development of human resources in this challenging era of globalisation. The quality education provided by the university and the hard work of the students is reflected in these placement results".

MOU SIGNED

The Institute of New and Renewable Energy, Lucknow University and Uttar Pradesh New and Renewable Energy Development Agency (UPNEDA) signed a Memorandum of Understanding (MoU) to establish performance targets in the field of renewable energy. The MoU was signed by Vice-Chancellor Alok Kumar Rai and director UPNEDA Anupam Shukla. The objective of MoU is to establish the basis for a cooperative relationship between educational institute and the government. It will encourage and promote technical bilateral cooperation on new and renewable energy issues to achieve the ambitious target of the government in the field of Renewable Energy. Dean academics Poonam Tandon, Jyotsna Singh from the Institute of new and Renewable Energy and Ajay Kumar from UPNEDA were also present.

DEBATE COMPETITION

The EIACP (Environment Information, Awareness, Capacity Building and Livelihood Programme) centres of CSIR-National Botanical Research Institute and Institute of Wildlife Sciences, University of Lucknow jointly organised a debate competition, under Mission Life on Wednesday. EICAP coordinator Pankaj Srivastava said that 91 students of different school, universities from 22 districts of Uttar Pradesh participated in the competition. The theme of debate competition was 'Individual behaviour & habits have an impact on environment and climate change'.

AMRIT VICHAR PAGE 4

उपलब्धि | प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापक रैंकिंग एजुकेशन रैंक 2023 जारी

एशिया के शीर्ष 500 संस्थानों में लखनऊ विश्वविद्यालय का भी नाम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापक रैंकिंग, एजुकेशन रैंक 2023 बुधवार को जारी कर दी गई। इस रैंक में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक बार फिर इस रैंकिंग में अपनी प्रभावशाली छाप छोड़ी है। विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला राज्य विश्वविद्यालय है। यह राज्य में चौथे, देश में 29वें और एशिया में शीर्ष 500 में शुमार है।

लखनऊ विश्वविद्यालय लगातार रैंकिंग की सीढ़ी चढ़ता गया है। 2021 में देश में 57वें स्थान से 2022 में 29वें और 2023 में 28वें स्थान पर आने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने लगातार सुधार किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 2021 में एशिया रैंक 1098 से 2022 में 596 और 2023 में शीर्ष 500 (रैंक 463) में जाने के साथ अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में वृद्धि हुई है।

• गणना में गैर-शैक्षणिक प्रमुखता और पूर्व छात्रों की लोकप्रियता संकेतक भी शामिल

> विश्वविद्यालय में छात्रों के हित के साथ-साथ हर जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं। एनईपी के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों में सुधार किया गया है। अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय की रैंक बढ़ाने में यहां के शिक्षकों से लेकर पूरे स्टाफ का बड़ा योगदान है।
>
> -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी :राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन रैंकिंग में विश्वविद्यालय की अनुसंधान गुणवत्ता और प्रभाव दिखाई देता है। जूलॉजी (रैंक 3), कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री (रैंक 6) और एस्ट्रोबायोलॉजी (रैंक 10) के अनुसंधान क्षेत्रों में लखनऊ विश्वविद्यालय देश में शीर्ष 10 में शामिल हैं।

वैश्विक स्तर पर शीर्ष 500 में लखनऊ विश्वविद्यालय सात शोध क्षेत्रों में शामिल हैं, कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री 258, हॉर्टिकल्चर 279, फिजिकल केमिस्ट्री 381, टॉक्सिकोलॉजी 406, बायोलॉजी 438, बॉटनी 478 और पेलियोन्टोलॉजी 498 स्थान। हमारे उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में से 54 को वैश्विक प्रभाव वाला पाया गया।

क्या है एजुकेशन रैंक

एजुकेशन रैंक 183 देशों के 14,131 विश्वविद्यालयों की एक स्वतंत्र मीट्रिक-आधारित रैंकिंग है। रैंकिंग मुख्य रूप से 246 शोध विषयों में वैज्ञानिक प्रकाशनों और उद्धरणों पर आधारित है। गणना में गैर-शैक्षणिक प्रमुखता और पूर्व छात्रों की लोकप्रियता संकेतक भी शामिल हैं। रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय की निरंतर वृद्धि विश्वविद्यालय और राज्य के अनुकूल और सहायक शैक्षणिक माहौल के कारण ही संभव हो पाई है।